कोविड़ काल में बदला समाज

भूमिका:

- परिचय ......
- ऑनलाइन शिक्षा .....
- कोरोना काल में नशीली दवाओं का उपयोग और सेवन ....
- सोशल मीडिया की लत और बच्चे ...
- कोरोना काल में कैसे नबाह हो गयी है। ......
- समाज की मनोभाव ......
- कोविड काल में प्रकृति का शोषण .....

(Note: Graded Items may be published in Schoolwki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

- प्रकृति उत्पन्न की अपेक्षा और सेवन। ....
- प्राथमिक शील सोचने की कविता। ......
- एक जुड़े की समय। ....
- कविता काल समाज क्या सीखना हुआ है। .....
- उपसंहार .....

61st Kerala State School Kalolsavam - Jan 03 To 07, 2023
Kozhikode

Item Code: 6H5 Participant Code: 110

कोविड़ एक अभिशाप है

ये सबको समझाएँ
देश का लोगों की जीवन
इनको बचाएँ

परिचय: आज मानव पौधोगिक की उच्चतम शिखर तक पहुँच गया है एक शत्रु की अस्तित्व की ध्वन बच्चे है। उसको सब पातपू तबाह होकर एक बिमारी हुई है यही है कोरोना नामक कोविड़ वैरस। विश्व की पूरी देश अतिपुन्नति की समय यहाँ एक कोरोना नामक बिमारी हुई है।

इस समय समाज की पूरी श्रेत्र अनेक बदला हुई है।

(Note: Graded Items may be published in Schoolwki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

समाज में नहीं देश अथवा विश्व की पूरी क्षेत्र में हुआ है। कोरोना अथवा कोविड हमारा जीवित की तबाह हो गया है। मैं ने इस पर निम्नलिखित है

आॅनलाइन शिक्षा

कोरोना न डाल पाए कोई
शिक्षा का प्रभाव
यही है ऑनलाईन शिक्षा

विज्ञान की उच्चतम शिखर हमारा भारतीय आ गई। कोरोना एक बिमारी है हम उसे उखाड़कर फेंक चाहिए का मनोविश्वास ने भारत में एक शिक्षा का प्रभाव हुई। यही है ऑनलाइन शिक्षा। हमारा बच्चे का भविष्य कैसे हम

सोचने की उस समय ऑनलाइन शिक्षा हमने बचना हुआ है। आज का बच्चे कल का नागरिक है। देश का भविष्य कैसा होगा इस देश पर बच्चे की पढ़ाई तबाह हो गया है। उस समय कोविड की फायदा हमने सोचना की।

हमारा बच्चा की पढ़ाई तबाह होकर समय ऑनलाइन शिक्षा का प्रभाव बचन का अंतर है। विद्यार्थियों और विद्यार्थियों में कुछ घटना की शिक्षा पढ़ता करने का अवसर मिला है। ऑनलाइन प्लाटफोम में बच्चे की आराम समय में पढ़ते होना का अवसर मिला। ग्राफिक्स, स्लाइड्स, पॉवर पॉइंट प्रसन्टेशन आदि की रूप हमारा बच्चा कि पढ़ना पूर्वज की समान आ गयी है।

61st Kerala State School Kalolsavam - Jan 03 To 07, 2023
Kozhikode

Item Code: 645 Participant Code: 110

मैं ने ऑनलाइन शिक्षा की ~~फायदा~~ नहीं लिखती इस शिक्षा में अनेक नुकसान ~~हो~~ गयी है। ऑनलाइन शिक्षा का सम्पादायक शिक्षा आज भी चली मेरा विषय है ऑनलाइन शिक्षा एक अच्छा पढ़ते हैं कि बच्चा एक अच्छा अवसर हुआ है।

कोरोना काल में
नशीली दवाओं का उपयोग
और सेवन

हमारा भविष्य का ध्यन है बच्चे देश का भविष्य कैसा होगा इस देश की युवा इस पर निर्भर होना है। देश में भविष्य युवा इसमें चपेट में आ गया है नशा। नशीली दवाओं की उपयोग और सेवन करनेवाली लोगों की

(**Note**: Graded Items may be published in **Schoolwki.** So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

Page No :

61st Kerala State School Kalolsavam - Jan 03 To 07, 2023
Kozhikode

Item Code: 645 Participant Code: 110

एक स्वर्ण अवसर है कोविड काल में। ~~आनलाइन प्लाटफॉम~~ मे इस सेवन करनेवाली ~~लोगों~~ से उसका सेवन करना हुई है। इस समय इस का खुब प्रचलन है। इसका एक प्रधान लोग से बच्चे वे उनके माफिया में आ गिरता जाते हैं। वशीकरण में देश का बच्चा को जीवन स्वतंत्रक लोगों की इस माफिया ~~आनलाइन और कोविड काल~~ उपयोग करना हुआ और यह कोविड की एक नुकसान है। समाज की सभी लोगों की चरित्र को और मानुष्य गुण नष्ट करने इस नशीली दवाओं की सेवन

परिवार का पतन
समाज का पतन
देश का पतन

(**Note**: Graded Items may be published in **Schoolwki.** So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

Page No :

61st Kerala State School Kalolsavam - Jan 03 To 07, 2023
Kozhikode

Item Code: 645 Participant Code: 110

सोशल ~~मि~~ मीडिया
की लत और बच्चा।

हमारा देश की बच्चा चपेट में आ गया मोबाइल फोन के कोविड काल में। हमारा पीढी मोबाइल फोन का उपयोग अति कठिन है। कोविड काल में बच्चे की पाठ हन मोबाइलफोन से आते हो की देश की आधा बच्चा में बस में आ गया है। रिसरप कहते है कि देश की हमारा भारत की सोशल मीडिया और मोबाइल फोन उपयोग करनेवाली बच्चा 60-70% तक गया है। कन 2019 समय में 40-50% है। यहाँ तक अतिपूर्वक उपयोग करना है कि रिसरप है।

(Note: Graded Items may be published in Schoolwki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

Page No :

61st Kerala State School Kalolsavam - Jan 03 To 07, 2023
Kozhikode

61-ാമത് കേരള സ്കൂൾ കലോത്സവം 2023 ജനുവരി 3 - 7 കോഴിക്കോട്

Item Code: 645 Participant Code: 110

हमारा बच्चा ने कोविड काल में मोबाईल फोन खेल पर आ गयी है। इस में अनेक विद्यार्थीयों मरना जाती।

कुछ ऑनलाइन

खेल

- फ्रीफायर
- पबजी
- मोमोस्
- ब्लूव्हेल

इस खेल खलतें है कि अनेक बच्चा की जीवन नष्ट होता है। इस ऑनलाइन कुछ पैसा आवशय पर कहते है कि तो इस खेलत हैं व्यक्ति बड़ा बड़ा घटना में आ गया है। इस बच्चा में उनका माता-पिताओं ने पैसा आवशय कर कहते हैं कि वे नहीं देता है। तो इस बच्चे स्वयं मरने जाती।

(Note: Graded Items may be published in Schoolwki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

यहाँ कोविड़ बढ़ने का समाज पर यहाँ बड़ा बदला है।

कोविड़ काल में इस समाज पर तबाह हो गयी है।

* मारपीट।
* लूटखसोट।
* हिंसा।
* जाती व्यवस्था।

समाज की मनोभाव

समाज की अनेक व्यवस्था और अनेक कुलष चारित्र तबाह हो गया और अनेक कुलष चारित्र आने का समय है कोविड़ काल।

सब लोगों विचार करते हैं कि हमारा शासन की

(**Note**: Graded Items may be published in **Schoolwki.** So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

61st Kerala State School Kalolsavam - Jan 03 To 07, 2023
Kozhikode

Item Code: 645 Participant Code: 110

जितने वाला मनुष्य और चीज़ें नहीं होना और होता है। सबने अमीर बनना की और एक पैसा कमाया होने की [illegible] दौड़ रहा है। इस समय हमारा [illegible] पैसा एक बुरा चीज़ें है और मानुषिक मूल्य है अतिपुन्नति में है की सीखना हुआ कि कोविड आ गयी है।

हमारा मानुषिक मूल्य और कुछ प्रश्नों की आम तौर पर बोलना हुआ कि कोविड काल हमने सीखना होता है।

कोविड काल में प्रकृति का मोचन

इडुक्की : केरल की [illegible] इडुक्की नामक एक जिल्ले में अनेक तितली उतार आ गया है।

(**Note**: Graded Items may be published in **Schoolwki.** So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

Page No :

Item Code: 645 Participant Code: 110

कविता ने पूर्व इस तितली नहीं देखता रहा है। एक चित्र और प्रकृति प्रेमी ने उनका निरीक्षण समय में देखता है। कविता काल में हमारा प्रकृति की पुनरजन्म होता है। हमारा सरिता और तालाब में शुद्ध पानी बहता है। अनेक फूल की पुनरजन्म होता है। सब कुछ कोरोना काल तक अच्छा है तो प्रकृति

प्रकृति उत्पन्न की
उपयोग और सेवन

कोरोना काल में हम प्रकृति की उत्पन्न उपयोग कर रहा है। पूर्व में हम बरगर, पीसा आदि नामक जल्दी मरने की भोजन पदार्थ खाते हैं। इस समय समाज की

सभी खानेवाली पदार्थों की केंद्र लोकडाउन में आ गया तो हमारा समाज निश्चित रहना है हमारा घर की नीचे-नीचे फूल, फल आदि खानेवाली उत्पन्नों। आम, अनार, बेंगनी आदि फल ने हमारा घर में लाये और स्वीकार करते हैं। रिसर्च कहते हैं कि 90-95% भाग तमिलनाडु, करनाटका, आन्ध्रा आदि स्थान में खानेवाली पदार्थों रखते हैं। इस समय इसका उपयोग 60-70 तक गया है।

प्राथमिक शील सोचने की कोशिश।

प्रकृति और ईश्वर चैतन्य की संम्मलन तक जीवित मानव पूर्व बन गया है। इस समय में हमने पतंग की समान उपेक्षित करने

61st Kerala State School Kalolsavam - Jan 03 To 07, 2023
Kozhikode

Item Code: 645 Participant Code: 110

~~को~~ आरोग्य शील आना हुआ है। प्राचिन काल ~~एक~~ व्यक्ति घर में आने की समय एक उपकरण नाम 'वाल किंटी' का जल उनका पैर में लेता है एक घर में प्रवेश मिल रही। कोविड़ काल समाज में हम याद करते हैं कि हमारा प्राथमिक शील आवश्य है और दैनिक जीवन। कोविड़ काल में बदले मनुष्य की प्राथमिक शील आ गया है। मास्क, सानीतरसैर आदि पदार्थों की उपयोग कर रहा है।

फेक न्यूज़ की समय

इस समय अनेक समूह की बुरा मनुष्य फेक ~~ब~~ न्यूज फोन में अनेक ऑनलाइन प्लाटफोम से प्रचरित हुआ था। एक के बारे में

61st Kerala State School Kalolsavam - Jan 03 To 07, 2023
Kozhikode

Item Code: 645 Participant Code: 110

"दोस्तों हमारा एक बच्चा आस्पताल में है। कानसर ने उनका जीवन असंतुलन होता है। उनको जीवन में बेच करने के लिए भारत की सब लोगों ने पैसा देता है।"

इस प्रकार हमारा गरीब और अशिक्षत लोगों ने वंचित हो गया है।

कोविड़ समय परिचित
शब्दावली।

* मसोसलाशन * कटपनमेंट सोपा
* कोरनयन आदि है।

~~कोविड़ काल की~~ में समाज हमने

कोविड़ काल समाज ने क्या
सीखना है।

कोविड़ काल में समाज में अनेक बदला हुआ है।

(**Note**: Graded Items may be published in **Schoolwki.** So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

61st Kerala State School Kalolsavam - Jan 03 To 07, 2023
Kozhikode

Item Code: Participant Code:

इस में मनुष्य प्रकृति का अच्छा उपयोग । हमारा प्रकृति का स्थिति पूर्व में अतिशयनीय है। वायु का प्रदूषण, जल का प्रदूषण, पर्यावरण का प्रदूषण आदि हमने प्रकृति से मिल में दूषप्रवृत्ति है। इसका विरोध में प्रकृति ने हम इस प्रकार बढ़ती हुई बिमारी, बाढ़, जल का दौरभाव आदि के नाम में। प्रकृति ने हमारा दूषप्रतिविधयों का देता है 2018 की बाढ़ और 2019 की अंत और 2022 की पहला होनी की कोरोना नामक एक बिमारी। आदि ने समाज को शीखना कर की प्रकृति का अच्छा उपयोग हमारा जीवन सफल हुआ है। कोविड काल में बहुत समाज ने प्रकृति का अच्छा उपयोग कैसा सीखना कर रही है। प्रकृति हमारा माँ है हम के

(**Note**: Graded Items may be published in **Schoolwki.** So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

61-ാമത് കേരള സ്കൂൾ കലോത്സവം
2023 ജനുവരി 3 – 7 കോഴിക്കോട്
Kozhikode, Jan. 3 to 7

Item Code: 645 Participant Code: 110

बिना हमारा जीवन संभव ही नहीं है।

मानुषिक मूल्यों का प्रभाव

- अकारात्मक प्रभाव।
- संस्कृतिक प्रभाव।
- जैविक प्रभाव।
- मनोविज्ञानिक प्रभाव।

उपसंहार :

कोविड एक दुस्तपूर्ण काल है। हमारा आम तौर पर जीवन में उसका आ रही है। कोरोना का बदला समाज एक नाणव से दो धनाओं कुछ अच्छा होता है और कुछ नुकसान होता है। कोरोना ने हमारा समाज में अनेक पाठ सीखना जाता। प्रकृति का उपयोग और हमारा प्राथमिक शाला। कोविड की फायदा है ऑनलाइन शिक्षा। एक शिक्षा का प्रभाव और प्रकृति की सुंदरता हमने सोचने की इस काल में है। कोविड एक अभिशाप है। परन्तु अनेक अवसर में वे इस कैरस इक्तरी और इसका अनुबंध शिक्षा क्षेत्र में है। ऑनलाइन शिक्षा ने शिक्षा की क्षेत्र में एक बड़ा संभावना है। इसमें कुछ नकारात्मक प्रभाव और कुछ सकारात्मक प्रभाव है।

(**Note**: Graded Items may be published in **Schoolwki.** So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)